

**लेस स्त्री.** (तद्.) 1. चिपकने वाला पदार्थ, लासा 2. लेसने या चिपकाने की क्रिया, भाव या गुण पुं. (तद्.) लेश स्त्री. (अं.) जाली वाला या कढ़ाई किया हुआ फीता, किनारी। lace

**लेसना स.क्रि.** (तत्.) 1. चिपकाना 2. लेप लगाना 3. गिलावा पोतना 4. दोष लगाना 5. (दीपक) जलाना।

**लेहड़ा पुं.** (देश.) पशुओं का झुंड, लहड़ा।

**लेह पुं.** (तत्.) 1. चाटकर खाने वाली वस्तु 2. आयुर्वेदोक्त अवलेह 3. चंद्र या सूर्य ग्रहण का एक प्रकार।

**लेहन पुं.** (तत्.) चाटने की क्रिया या भाव।

**लेहना पुं.** (देश.) 1. कटाई के बाद मजदूर को मजदूरी के रूप में दिया जाने वाला अनाज 2. दोनों हाथों में समा सकने योग्य प्याल, घास आदि की मात्रा या गट्ठर स.क्रि. 1. चाटना 2. लेसना।

**लेहसित वि.** (तद्.) 1. लसित, सुंदर 2. चिपका हुआ, श्लिष्ट।

**लेहसुआ पुं.** (देश.) एक प्रकार की घास, लहसुआ।

**लेहाजा अव्य.** (अर.) अतः, इसलिए।

**लेहाड़ा वि.** (देश.) 1. बदतमीज़, निकम्मा (व्यक्ति) 2. बेकार और निरर्थक (वस्तु) स्त्री. उपहास, मजाक।

**लेहाफ़ पुं.** (अर.) मोटी रज़ाई, रजाई आदि का आवरण।

**लेही वि.** (तत्.) चाटने वाला।

**लेहय पुं.** (तत्.) 1. चाटकर खाने योग्य पदार्थ जैसे- अचार, चटनी 2. अवलेह वि. चाटने योग्य।

**लैंग वि.** (तत्.) लिंग से संबंधित।

**लैंगिक वि.** (तत्.) 1. लिंग से संबंधित 2. काम विषयक पुं. वैशे. अनुमान प्रमाण, लिंग द्वारा प्राप्त प्रमाण।

**लैंडस्केप पुं.** (अं.) प्राकृतिक दृश्य का चित्र। landscape

**लैंडो स्त्री.** (अं.) एक प्रकार की छायादार घोड़ागाड़ी।

**लै स्त्री.** (तद्.) संगीत की लय पुं. (तत्.) तल्लीनता अव्य. (देश.) से, तक।

**लैगून पुं.** (अं.) समुद्र के बीच में रेत उठ जाने के कारण बनी झील lagoon, समुद्री पानी से तीन तरफ से घिरी ज़मीन का टुकड़ा।

**लैटिन स्त्री.** (अं.) इटली की प्राचीन भाषा जो किसी समय विद्वानों और धर्मगुरुओं की भाषा थी, अंग्रेजी के लगभग पचास प्रतिशत शब्द लैटिन से निर्गत हैं। latin

**लैपा पुं.** (देश.) अगहन में कटने वाला धान, जड़हन, शाली, लवक स्त्री. लाई।

**लैरू पुं.** (देश.) बछड़ा।

**लैल स्त्री.** (फा.) रात।

**लैला स्त्री.** (फा.) 1. प्रेयसी 2. सुंदरी 3. कैस की प्रेमिका, जो उसके प्रेम में दीवाना हो गया था और इसीलिए लोग उसे मजनूँ (पागल) कहने लग गए थे।

**लैसंस पुं.** (अं.) अनुमति पत्र, लाइसेंस। licence

**लैस पुं.** (देश.) 1. सिरका 2. तीर का एक प्रकार वि. (अर.) 1. सज्ज, तैयार 2. सभी सामग्रियों से युक्त स्त्री. (अं.) दे. लेस। lace

**लों अव्य.** (देश.) तक, पर्यंत।

**लोंदा पुं.** (देश.) गीले पदार्थ (जैसे-मिट्टी, दही, मक्खन आदि) का गोला।

**लो स.क्रि.** (देश.) लेना क्रिया का आज्ञार्थक रूप।

**लोड़ स्त्री.** (देश.) चमक, लौ, लपट।

**लोइन पुं.** (देश.) 1. लोचन, नेत्र 2. लावण्य, सौंदर्य।

**लोई स्त्री.** (तद्.) 1. गुँधे आटे का ऐसा लोंदा जिससे एक रोटी बनाई जा सके 2. पतली ऊनी चादर या मोटी सूती चादर जो हल्की ठंड से बचा सके।

**लोकंजन पुं.** (तद्.) वह तथाकथित अंजन जिसे लगाने पर व्यक्ति अदृश्य हो जाता है, लोपांजन।